मनमाड स्टेशन पर जलपान गृह का ठेका

4243. **श्रीमती उषा वर्मा :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें मालूम है कि मनमाड रेलवे स्टेशन पर दूसरे दर्जे के आरक्षण कार्यालय के सामने ऊपरी पुल के नीचे प्रतीक्षालय के कमरे में जलपान गृह का निर्माण किया गया है और इसका ठेका सीधे फेरी वाले ठेकेदार को दिया गया है ;

(ख) क्या इस ठेके को देने से पहले नियमानुसार विज्ञापनों के माध्यम से लोगों से आवेदन पत्र मांगना आवश्यक था ;

(ग) यदि हां तो नियमों का पालन न करने के के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या पोर्टरों, वेन्डरों और वेयरों की किसी ऐसोसिएशन ने उन्हें इस बारे में कोई अभ्यावेदन दिया है और यदि हां तो उस पर क्या कार्यवाही की गई है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी हां

(ख) जी नहीं । प्रश्नगत जलपान स्टाल का ठेका 1-6-1974 को श्री बी० एल० शर्मा को दिया गया था जो मनमाड स्टेशन पर वर्तमान जलपान गृह के ठेकेदार थे। ऐसा सरकार की उस समय विद्यमान नीति के अनुसार, उसके जलपान गृह के ठेके को अर्थक्षम बनाने के लिए सहायता के रूप में किया गया था ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) एक संसद् सदस्य द्वारा अग्रेषित किया गया नेशनल फेडरेशन ऑफ रेलवे पोर्टर्स, वेंडर्स एण्ड बेयरर्स का दिनांक 24-2-1981 का एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ था । उसका उत्तर दे दिया गया था जिसमें स्थिति स्पष्ट कर दी गयी थी ।

टूंडला पर रेलवे पासों का जारी किया जाना

4244. **श्री बालासाहिब पवार** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टुंडला कार्यालय के स्टेशन अधीक्षक द्वारा अपने तथा अपने मित्रों के नाम गलत तरीके से रेलवे पास जारी किये गये थे और यह बात लेखापरीक्षक द्वारा पकड़ी गई ;

(ख) क्या इलाहाबाद के कार्मिक निरीक्षक द्वारा इसकी जांच-पड़ताल की गई थी; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस चूक के लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी नहीं

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Charges against Ex-Chairman of Delhi Transport Corporation

4245. SHRI VASANT KUMAR PANDIT :

SHRI SUBHASH YADAV :

Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether the Government have removed the Chairman of Delhi Transport Corporation in May, 1982;

(b) if so, the reasons and specific charges against him ;

(c) whether the new Chairman of Delhi Transport Corporation has received the full charge of ex-Chairman's files, reports and office and what investigations has been carried out to rectify the previous lapses ;

(d) whether Government will probe into the various charges against the ex-Chairman made in the Parliament and through memoranda given by Workers and others ;

(e) whether Government would re-check the financial position of Delhi Transport Corporation and rectify the accounting methods adopted by the ex-Chairman ;

(f) what steps have been taken by the new Chairman to rectify the out of turn ad-hoc transfers, promotions, suspensions and pending cases of staff and officers of Delhi Transport Corporation ?